❶

ओ३म्
कृण्वन्तो विश्वमार्यम्

साप्ताहिक

आर्य सन्देश

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का मुखपत्र

आर्यसमाज सार्द्ध शताब्दी अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन, दिल्ली अनिवार्य
प्रत्येक आर्यजन का पंजीकरण

महासम्मेलन में भाग लेने वाले आर्यजन कृपया पंजीकरण हेतु लॉगइन करें–
www.aryamahasammenan.com

वर्ष 48, अंक 50 — एक प्रति : 5 रुपये
सोमवार 6 अक्तूबर, 2025 से रविवार 12 अक्तूबर, 2025
विक्रमी सम्वत् 2082 — सृष्टि सम्वत् 1960853126
दयानन्दाब्द : 202 — पृष्ठ : 8
वार्षिक शुल्क : 250 रुपये — दूरभाषः 23360150
ई-मेल : aryasabha@yahoo.com
इंटरनेट पर पढ़ें – www.thearyasamaj.org/aryasandesh

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की 200वीं जयन्ती एवं 150वें आर्यसमाज स्थापना वर्ष के आयोजनों का समापन

आर्यसमाज सार्द्ध शताब्दी अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन

30-31 अक्तूबर एवं 1-2 नवम्बर, 2025

स्वर्ण जयन्ती पार्क, रोहिणी, सैक्टर-10, दिल्ली-110085

महासम्मेलन की तैयारियों के लिए दिल्ली की सभी विभिन्न व्यवस्था समितियों की बैठक सम्पन्न

विपरीत परिस्थितियों में भी आयोजन स्थल पर चल रही हैं महासम्मेलन की तैयारियां वर्षा के चलते भी कार्यकर्ताओं के उत्साह में नहीं दिखी कोई कमी

रविवार 5 अक्तूबर को अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन की विभिन्न व्यवस्थाओं एवं तैयारियों के लिए गठित समितियों के मुख्य अधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की बैठक आर्यसमाज हनुमान रोड नई दिल्ली में सम्पन्न हुई। सभा प्रधान श्री धर्मपाल आर्य जी ने महासम्मेलन को ऐतिहासिक सफल, व्यवस्थित और स्मरणीय बनाने के लिए सभी उपस्थिति अधिकारियों से अपना सर्वोत्तम देने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि आपके अथक प्रयासों से ही यह सम्मेलन अब तक का सबसे बड़ा, व्यवस्थित एवं ऐतिहासिक बन सकता है। इससे पूर्व महामन्त्री श्री विनय आर्य जी ने सभी समितियों के सदस्यों का आपसी परिचय एवं उनके कार्यों और व्यवस्थाओं की जानकारी दी।

आर्यसमाज हनुमान रोड, नई दिल्ली में सम्पन्न हुई महासम्मेलन की विभिन्न व्यवस्था समितियों की बैठक को सम्बोधित करते महामन्त्री श्री विनय आर्य जी। साथ में हैं महासम्मेलन संयोजक एवं सभा प्रधान श्री धर्मपाल आर्य जी, आर्य केन्द्रीय सभा के महामन्त्री श्री सतीश चड्डा, श्री जोगेन्द्र खट्टर एवं सभा उप प्रधान श्री अरुण प्रकाश वर्मा तथा बैठक में उपस्थिति विभिन्न व्यवस्था समितियों के मुख्य अधिकारी एवं प्रमुख कार्यकर्ता।

मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ जी से भेंट आर्य महासम्मेलन में पधारने हेतु किया आमन्त्रित

सार्द्ध शताब्दी अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन, दिल्ली-2025 : विशिष्ट आयोजन

30 अक्तूबर, 2025 — सार्द्ध शताब्दी ध्वज यात्रा : प्रातः 9:15
ध्वजारोहण स्थल — ध्वजारोहण : प्रातः 10:00 बजे

30 अक्तूबर, 2025 — आर्य वीर दल मैदान सायं 4:30 से 6:30 बजे
महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के जीवन का अन्तिम दृश्य का मंचन
(अंग्रेजी तिथि अनुसार महर्षि दयानन्द जी का निर्वाण 30 अक्तूबर, 1883 को हुआ था)
11111 आर्यवीर-वीरांगनाओं, युवाओं तथा महिलाओं द्वारा विश्व सुख-स्मृद्धि शान्ति महायज्ञ

31 अक्तूबर, 2025 — आर्य वीर दल मैदान सायं 6:30 बजे
डी.ए.वी. संगठन की ओर से — विशेष सन्देश देती सांस्कृतिक प्रस्तुति

1 नवम्बर, 2025 — आर्य वीर दल मैदान
आर्य वीर - वीरांगना दल व्यायाम प्रदर्शन सायं 4:30 से 7:00 बजे
स्पेशल लेजर शो एवं सार्द्ध शताब्दी ड्रोन शो सायं 7 से रात्रि 9 बजे

देववाणी-संस्कृत

हे समर्थ परमेश्वर!

दृते दृ ँ ह मा। ज्योक्ते संदृशि जीव्यासं ज्योक्ते संदृशि जीव्यासम्।।

– युजः० 36।19

ऋषिः-**दध्यङ्ङाथर्वण**।। देवता- **ईश्वरः**।। छन्दः-**पादनिचृद्गायत्री**।।

शब्दार्थ- दृते= हे सर्वसमर्थ परमदृढ़ परेश्वर! **मा**= मुझे **दृंह**=दृढ़ बना दे, जिससे कि मैं **ते संदृशि**=तेरे सन्दर्शन में, तेरी ठीक दृष्टि में **ज्योक्**= चिरकाल तक **जीव्यासम्**= जीता रहूँ **ते संदृशि ज्योक् जीव्यासम्**= तेरे सम्यक् दर्शन में दीर्घ आयु तक जीवित रहूँ।

विनय- हे जगदीश्वर! मैं चाहता हूँ कि अब मैं तुम्हारी अध्यक्षता में ही जीऊँ-तुम्हारी देख-रेख में-तुम्हारी आँखों के नीचे ही अपना जीवन व्यतीत करूँ। मुझे सदा स्मरण बना रहे कि तुम मुझे देख रहे हो। मेरा एक-एक कार्य, मेरी एक-एक चेष्टा, एक-एक गति तुम्हें साक्षी रखकर की गई हो। इस प्रकार तुम्हारे सम्यक् दर्शन में तुम्हें देखता हुआ मैं चिरकाल तक जीऊँ। सच तो यह है कि जब मैं तुम्हारी ठीक-ठीक अध्यक्षता में अपना जीवन व्यतीत करुँगा तो मेरा जीवन स्वाभाविकरूप में ऐसा चलेगा कि यह स्वयमेव दीर्घजीवी हो जाएगा, अतः मैं तो इतना ही चाहता हूँ कि मैं कभी तुम्हारे सन्दर्शन से पृथक् न हो जा ऊँ, परन्तु तुम्हारे सन्दर्शन में जीना आसान काम नहीं है। मैं यह जानता हूँ कि तुम ही मेरे जीवन हो, मेरी शक्ति हो, मेरी आत्मा हो, तो भी मैं निर्बलतावश तुम्हें सदा भूला रहता हूँ। सांसारिक वायु के झोंकों के थपेड़ों से मेरी सुध-बुध ऐसी भूली रहती है कि मुझमें तुम्हारी स्मृति जाग्रत् नहीं रह सकती। इसलिए हे जगदीश्वर! मेरी तो तुमसे यह प्रार्थना है कि तुम मुझे दृढ़ बना दो, मजबूत बना दो, चट्टान बना दो। हे दृते! हे सर्वशक्तिस्वरूप! तुम मुझे ऐसा दृढ़ बना दो कि संसार की घटनाएँ मुझे चलायमान न कर सकें। मैं सदा तुम्हें देखते रहने यत्न करता हूँ- तुम्हें देखते रहते हुए ही अपने सब कर्म करने का यत्न करता हूँ, परन्तु यह बहुत थोड़ी देर चलता है। कोई सांसारिक खुशी या कोई दुःख, कोई चिन्ता आने पर मेरा वह सात्त्विक ध्यान जाता रहता है। कोई भी नई-सी बात होने पर मेरा ध्यान उधर खिंच जाता है और उस तेरे सन्दर्शन की सुखमय अवस्था से गिर जाता हूँ। इसलिए, हे दृते! मै दृढ़ता का भिखारी हुआ हूँ। मैं जानता हूँ कि जब मैं दृढ़ हो जाऊँगा तथा उस दृढ़ता द्वारा सुख में, दुःख में, सम्पत् में, विपत् में सदा तुम्हारा यह सन्दर्शन करते रहने का अभ्यासी हो जाऊँगा तो धीरे-धीरे तुम्हारा सम्यक् दर्शन मुझमें ऐसा समा जाएगा कि यह फिर मुझसे जुदा न हो सकेगा और तब मुझे तुम्हारा ध्यान करने की भी आवश्यकता न रहेगी। जैसे हम दिनभर सूर्य-प्रकाश द्वारा ही सब काम करते हैं, परन्तु हमें यह याद रखने की आवश्यकता नहीं होती कि हम सूर्य-प्रकाश में है, वैसे ही तब मैं बिना यत्न किये तुम्हारे सन्दर्शन के प्रकाश में चौबीसों घण्टे रहने-सहने और जीवन व्यतीत करनेवाला हो जाऊँगा, अतः हे दृते! मुझे ऐसा दृढ़ बना दो कि मैं कभी तुम्हारे सन्दर्शन से न हट सकूँ। **-:साभार:- वैदिक विनय**

वेद-स्वाध्याय

वैदिक विनय : यह पुस्तक वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। अपने ज्ञानवर्धन के लिए आज ही अपना आदेश मो. नं. 9540040339 पर प्रेषित करें।

सम्पादकीय

(142वें निर्वाण दिवस (दिपावली) पर विशेष)

सत्य के प्रकाशक महर्षि तुम्हें शत-शत नमन

ऋषि मुनियों की भूमि भारत में जब चारों तरफ अज्ञान और अविद्या का अंधेरा छाया हुआ था। भारत माता परतंत्रता की बेडियों में जकड़ी हुई थी, विश्व गुरु कहलाने वाला हमारा यह देश ऐसी विषम परिस्थितियों में फंसा हुआ था कि हमारे भारतीय वैदिक संस्कृति, सभ्यता, संस्कार और धर्म सब कुछ लगातार विकृत होते जा रहे थे। उस काल खंड में जब हम अपने असतित्व को भूलते जा रहे थे, 12 फरवरी 1824 को एक ऐसे ज्ञान के सूर्य का उदय हुआ जिन्हें हम महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के अमर नाम से स्मरण कर रहे हैं।

महर्षि दयानंद सरस्वती का संपूर्ण जन्म और जीवन मानव कल्याण के लिए समर्पित रहा। महर्षि दयानंद ने इतना तप, त्याग, साधना पूर्ण परोपकारी जीवन जिया कि आने वाले युगों तक मानव जाति को प्रेरणा देता रहेगा। महर्षि दयानंद ने आर्य समाज की स्थापना कर एक नए युग का आगाज किया था। महर्षि की प्रेरणा और आशीर्वाद से ही भारत माता को आजादी मिली थी। महर्षि के क्रांतिकारी भाषणों और संदेशों से ही भारत की युवा पीढ़ी में क्रांति का जोश आया था। जिन्होंने हंसते-हंसते फांसी के फंदों को चूमा, अपना सर्वस्व देश की आज़ादी के लिए न्योछावर कर दिया, उनमें चाहे राम प्रसाद बिस्मिल हो, सरदार भगत सिंह या फिर चंद्रशेखर आजाद, राजेंद्र लाहिड़ी, सरदार ऊधम सिंह, करतार सिंह सराभा आदि सभी अमर वीर बलिदानी महर्षि दयानंद और आर्य समाज से प्रेरित थे। आज जो हम लगातार आगे बढ़ रहे हैं, भारत का मान सम्मान और गुणगान पूरा विश्व कर रहा है, उसके पीछे महर्षि दयानंद की सोच, उनके सेवा कार्य, उनके सिद्धांत और परंपराएं ही हैं।

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के 142वें निर्वाण दिवस पर हम आर्यजन उन्हें शत-शत नमन करते हैं, अपने श्रद्धा सुमन अर्पण करते हैं, उनके विशाल-विराट बहुआयामी व्यक्तित्व से प्रेरणा प्राप्त करने का संकल्प धारण करते हैं, उनके बताए सत्य के मार्ग पर चलने का पूरा प्रयास करते हैं, राष्ट्र निर्माण और मानव सेवा के लिए समर्पित होने का व्रत लेते हैं, यज्ञ-योग स्वाध्याय, सेवा, सत्संग, साधना की नियमित पालना की प्रतिज्ञा करते हैं। ऋषि ने मानवजाति के ऊपर जो अनगिनत उपकार किए उन्हें सहर्ष स्मरण करते हैं, हमारा प्यारा ऋषि, सबसे न्यारा ऋषि, प्रेम और करुणा की प्रतिमूर्ति ऋषि, जिसने संपूर्ण विश्व को असत्य से सत्य की ओर, अंधेरे से प्रकाश की ओर, मृत्यु से अमृत की चलने का रास्ता दिखाया, लोकोपकारी महान कार्यों को करने के लिए कठिन तप त्याग-साधना की, ऐसे ऋषिवर का न समझ लोगों ने बार-बार अपमान किया, उनके विरुद्ध अनेकानेक षड़यंत्र रचे, ईंट और पत्थर मारे, प्राण घातक प्रहार किए, उन्हें विषपान तक कराया, किन्तु गौरव इस बात का होता है कि सत्य और न्याय के पथ पर चलने वाले, विष पीकर भी मानव समाज को अमृत पिलाने वाले, अपने जीवन का पल-पल मानवता को जीवंत करने के लिए समर्पित करने वाले ऋषिवर के हम अनुयाई हैं, एक ऐसे ऋषि के अनुयाई हैं जो कहता है कि "विरोध की आंच से सत्य की कांति चौगुना चमकती है" दयानंद को यदि कोई तोप के मुंह के आगे रखकर भी पूछेगा कि सत्य क्या है? तब भी उसके मुंह से वेद की श्रुति ही निकलेगी। ऐसे सत्य पर दृढ़ संकल्पित ऋषि दयानंद का अनुयाई होना सबसे बड़े गौरव की बात है।

सत्य और न्याय की प्रतिष्ठा के लिए अडिग ऋषिवर का अविराम संघर्ष जीवन, भर चलता रहा। ऋषि के जीवन से जुड़ी घटनाओं का अवलोकन करें तो ज्ञात होता है कि ईश्वर विश्वासी, राष्ट्रभक्त, मानवता के हितैषी महापुरुष को अज्ञान-अविद्या रूपी अंधकार के तिरोहण में कितना कुछ सहना पडता है। महर्षि दयानंद सरस्वती ने गुरु विरजानंद जी के चरणों में केवल 3 वर्ष (1860 से 1863 तक) विद्या अभ्यास किया और वे प्रचलित मत-मतान्तरों के विरुद्ध रणक्षेत्र में उतर गए। केवल 20 वर्ष में उन्होंने अपने अथक परिश्रम, पुरुषार्थ और तपोबल से सभी मत-मतान्तरों को वेदार्ष की सत्य विद्या के विषय में सोचने पर मजबूर कर दिया। महर्षि का एक ही निश्चय विचार था कि जितने भी मत- -पंथ देश और दुनिया में फैलें हैं वे सब वेद ज्ञान के सत्य सिद्धांतों के लुप्त होने के कारण ही विस्तार को प्राप्त हुए हैं इसीलिए ऋषिवर ने वेदों के पुनरुद्धार हेतु वैदिक धर्म की पुनर्स्थापना के लिए आर्य समाज की स्थापना की।

आज हम महर्षि दयानंद के 200वें जयंती और आर्य समाज के 150वें स्थापना वर्ष के दो वर्षीय आयोजनों के समापन समारोह के रूप अंतर्राष्ट्रीय आर्य महा सम्मेलन 2025 के भव्य, विशाल, विराट आयोजन में सम्मिलित होने का सौभाग्य प्राप्त कर रहे हैं। यह अवसर अत्यंत महत्वपूर्ण है, हमें महर्षि दयानन्द सरस्वती जी और उनके शिष्य महापुरुषों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना है, महर्षि के अधूरे सपनों को पूरा करना है, वेद-धर्म-संस्कृति-संकस्कारों को जन-जन तक पहुंचाना है, ओम ध्वज को संपूर्ण विश्व में फहराना है। अतः आईए, महर्षि के 142 वें निर्वाण दिवस पर संकल्प लेकर उन्हें शत-शत नमन करें। अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 2025 का न केवल अवलोकन करे अपितु तन-मन-धन से भी सहयोगी बनें।

सत्य और न्याय की प्रतिष्ठा के लिए अडिग ऋषिवर का अविराम संघर्ष जीवन, भर चलता रहा। ऋषि के जीवन से जुड़ी घटनाओं का अवलोकन करें तो ज्ञात होता है कि ईश्वर विश्वासी, राष्ट्रभक्त, मानवता के हितैषी महापुरुष को अज्ञान-अविद्या. रूपी अंधकार के तिरोहण में कितना कुछ सहना पडता है। महर्षि दयानंद सरस्वती ने गुरु विरजानंद जी के चरणों में केवल 3 वर्ष (1860 से 1863 तक) विद्या अभ्यास किया और वे प्रचलित मत-मतान्तरों के विरुद्ध रणक्षेत्र में उतर गए। केवल 20 वर्ष में उन्होंने अपने अथक परिश्रम, पुरुषार्थ और तपोबल से सभी मत-मतान्तरों को वेदार्ष की सत्य विद्या के विषय में सोचने पर मजबूर कर दिया। महर्षि का एक ही निश्चय विचार था

शेष पृष्ठ 7 पर

आर्यसमाज सार्द्ध शताब्दी अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन : 30 अक्तूबर से 2 नवम्बर, 2025
स्वर्ण जयन्ती पार्क, सैक्टर-10, रोहिणी, दिल्ली-110085 (भारत)

सम्मेलन में विचारणीय मुख्य विषय

संस्कारित परिवार - समाज निर्माण

जनसंख्या का सांस्कृतिक/वैचारिक असंतुलन - एक नए खतरे का संकेत

विश्वभर में निरन्तर बढ़ती युद्ध की परिस्थितियां - नए संकट का संकेत

भीड़तन्त्र का लोकतन्त्र पर हमला - एक सुनियोजित षड़यन्त्र

देशों का बढ़ता रक्षाबजट - क्या मानवता के लिए खतरा है?

मोबाईल स्क्रोलिंग, स्टेंड - अप कॉमेडी, कॉमेडी शो, ओ.टी.टी. प्लेटफार्म पर आने वाला मसाला और सोशल मीडिया का बदलता स्वरूप

विवाह संस्था का कमजोर पड़ना

भाषावाद के नाम पर बढ़ता क्षेत्रवाद

IVF सैन्टर्स का बढ़ता जाल - जरूरत, मजबूरी या षड्यन्त्र का परिणाम

सोशल मीडिया और इनफलेनसर - चल रहे हैं या चलाए जा रहे हैं?

नो चाईल्ड पॉलिसी - एक सोची समझी चाल

चाईल्ड फ्री इण्डिया - सन्तान विहीन भारत की कल्पना का भयानक षड़यन्त्र

मतान्तरण-धर्मान्तरण के नए तौर - तरीके

युवाओं में बढ़ता नास्तिकवाद - फैशन नहीं षड़यन्त्र का परिणाम

निरन्तर बढ़ता प्रदूषण - मानव जाति के लिए चुनौती - यज्ञ एवं सौर ऊर्जा सर्वोत्तम समाधान

बढ़ती नशा प्रवृत्ति - जिम्मेदारी कानून की या समाज की

अंधविश्वासों का बढ़ता विश्वव्यापी व्यापार - निराकरण हेतु हमारी भूमिका : जनचेतना

धार्मिक भ्रष्टाचार निरोधक कानून ही उपाय

गोरक्षा, आयुर्वेद, मतान्तरण, तुष्टीकरण

जातिभेद और भाषाई भेद की बढ़ती दीवारें - समाज संस्कृति व राष्ट्र के लिए घातक

वर्ण व्यवस्था - वास्तविक मनुवाद

आर्यसमाज - नए युग में प्रवेश - दृष्टि 2050-2075

हिन्दू समाज की बदलती परिवारिक परिस्थितियां - रिश्तों को बचाईए

आर्य (हिन्दू) जाति में ऊंच-नीच का विभाजन - कारण - राजनैतिक, सामाजिक या धार्मिक

देश में दलित व मुस्लिम गठजोड़ - एक अन्तर्राष्ट्रीय षड़यन्त्र

एकाकी संतान - बच्चे तथा परिवार के विकास के लिए घातक

दूषित अन्न - स्वास्थ्य का शत्रु - जैविक कृषि-एक समाधान

एक मंदिर - एक शमशान - तभी होगा भारत महान

सम्मेलन में आयोजित प्रमुख कार्यक्रम एवं आकर्षण

गुरुकुलों की बेटियों द्वारा चारों वेदों के मन्त्रों का सस्वर वेद पाठ

विश्व कल्याण महायज्ञ - 11111 यजमानों द्वारा विशेष प्रस्तुति

आर्य समाज के 150 वर्षों के इतिहास/बलिदान की सच्ची घटनाओं पर आधारित नाटिकाओं का मंचन

विशेष प्रदर्शनियां

भारत का गौरवकाल, पतनकाल और पुनः विश्वगुरु बनने की ओर बढ़ते कदम

आर्यसमाज के 150 वर्ष के इतिहास के महापुरुषों का स्मरण - स्मृति नाटिका

विश्वपटल पर आर्यसमाज - एक दृष्टि

आज समाज के समक्ष बड़ी चुनौतियों का चिन्तन - हमारी जिम्मेदारी

समीचीन विषयों पर विचार गोष्ठियां

हजारों आर्य युवाओं द्वारा भारतीय व्यायाम कलाओं का प्रदर्शन

भजन एवं क्रान्तिकारी गीतों की भजन संध्या एवं विराट कवि सम्मेलन

विभिन्न भारतीय एवं विदेशी भाषाओं में वैदिक प्रवचन एवं यज्ञ

सभी वर्गों के लिए प्रतियोगिताएं / शंका समाधान सत्र

अंधविश्वास निर्मूलन पर विशिष्ट जादूगर शो

आजीवन निष्ठावान कार्यकर्ताओं का सम्मान

वेद में विज्ञान, यज्ञ विज्ञान, वैदिक कृषि, शाकाहार तथा अन्य विषयों पर विशेष व्याख्यान एवं कार्यशालाएं

वर्तमान समाज और राष्ट्र के समक्ष चुनौतियों के पीछे के षड़यन्त्रों पर चर्चा

शोध छात्रों की विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय वैदिक संगोष्ठियां

चारों वेदों के मन्त्रों से निरन्तर यज्ञ

वर्तमान चुनौतियों पर स्पेशल लेजर शो और सार्द्ध शताब्दी ड्रोन शो

महासम्मेलन में आर्य प्रतिनिधियों की भागेदारी

1. भारत	10. ओमान	19. गयाना	28. तंजानिया
2. अमेरिका	11. कनाड़ा	20. हॉलैंड	29. त्रिनिडाड एंड टोबैगो
3. म्यांमार (बर्मा)	12. ब्रिटेन	21. कीनिया	30. पाकिस्तान
4. फिजी	13. जमाइका	22. न्यूजीलैंड	31. युगांडा
5. मॉरीशस	14. मलेशिया	23. स्वीट्जरलैंड	32. दुबई (ना॰)
6. दक्षिण अफ्रीका	15. चैक गणराज्य	24. सिंगापुर	33. वैस्ट इंडिज
7. नेपाल	16. आर्मिनिया	25. थाईलैंड	34. इण्डोनिशया
8. जापान	17. ऑस्ट्रेलिया	26. सूरीनाम	35. डेनमार्क
9. भूटान	18. बंग्लादेशं	27. बेलजियम	

दान हेतु अपील

महासम्मेलन की सफलता हेतु "Delhi Arya Pratinidhi Sabha" के नाम चेक, ड्राफ्ट अथवा ऑनलाइन पेमेंट निम्न बैंक अकाउंट में जमा करवाएं। किसी भी UPI एप्प से यह QR कोड स्कैन करके UPI पेमेंट भी कर सकते हैं।

Bank Details

Bank : **Axis Bank**
Branch : **Connaught Place**
IFSC Code : **UTIB0002193**
A/c No. : **910010008984897**
Payee Name :
Delhi Arya Pratinidhi Sabha

QR Code

BHIM UPI G Pay PhonePe Paytm amazon pay

महासम्मेलन वेबसाइट पर क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, नेटबैंकिंग आदि से भी भुगतान कर दान किया जा सकता है

नोट- दान की रसीद हेतु भुगतान का स्क्रीनशॉट / चेक जमा की पावती 9540040388 पर व्हाट्सएप करें।

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा को दिया गया दान आयकर धारा 80G के अंतर्गत कटौती योग्य है

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की 200वीं जयन्ती पर दस लाख रुपये की पुरस्कार प्रतियोगिता
कॉमिक्स पढ़ें और जीतें लाखों के ईनाम

1 ईनाम लाख रुपये व विशेष उपहार

2 ईनाम 51000/- व विशेष उपहार

3रा ईनाम : 31000/- एवं विशेष उपहार (3)
4था ईनाम : 5100/- एवं विशेष उपहार (25)
5वां : नकद 2100/- (100)
6ठा : नकद 1000/- (250)
7वां : नकद 500/- (250)

प्रविष्टि की अन्तिम तिथि 1/10/2025

1 एवं 2 ईनाम विजेता तथा प्रतियोगिता में सर्वाधिक सहभागी बनने वाले विद्यालय/संस्था को भी विशेष ईनाम

आर्यसमाज सार्द्ध शताब्दी अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन, दिल्ली-2025
30 अक्तूबर से 2 नवम्बर, 2025: प्रतिदिन होने वाले कार्यक्रम

सार्द्ध शताब्दी सभागार (मुख्य पण्डाल)
ध्यान एवं भजन
प्रात: 8:15 बजे से 8:50 बजे तक
ध्येय – नियमित रूप से करें हम ईश्वर का ध्यान

स्वामी श्रद्धानन्द सभागार (हॉल नं. 2)
संध्या एवं ध्यान साधना
प्रात: 5:30 बजे से 7:00 बजे तक
व्यक्तित्व विकास और जीवन में शान्ति के लिए ध्यान एवं योग को अपनायें

योग मंच
योग एवं व्यायाम
प्रात: 5:00 बजे से 7:00 बजे तक
योग एवं व्यायाम बने मेरे जीवन का अंग

मुख्य यज्ञशाला
प्रात:कालीन संध्या एवं बृहद् यज्ञ
प्रात: 7:30 बजे से प्रात: 9:15 बजे तक
मानव जीवन का सुख एवं उन्नति – पंच महायज्ञ की परम्परा द्वारा

मुख्य यज्ञशाला
सायंकालीन बृहद् यज्ञ एवं संध्या
सायं 4:15 बजे से 5:30 बजे तक
संध्योपासना – हमारी आत्मिक उन्नति का साधन

लघु यज्ञशालाएं
पूर्णकालिक यज्ञ-चारों वेदों के मन्त्रों द्वारा आहुतियां
प्रात: 9:30 बजे से सायं 4:30 बजे तक
वेद पाठ बने हमारे परिवारों की परम्परा

आर्यवीर दल मंच
विराट आर्यवीर/वीरांगना शाखा
प्रात: 5:30 से 7:00 बजे तक
बालक-बालिकाओं को सुसंस्कारित करने हेतु ग्राम-ग्राम तक आर्यवीर दल की शाखा का विस्तार

लघु गौशाला
गौसेवा एवं गौशाला दर्शन
बलिवैश्वदेव यज्ञ की परम्परा निरन्तर हमारे परिवारों में बनी रहे।

लघु गुरुकुल
गुरुकुल दर्शन एवं सेवा
अतिथि यज्ञ की परम्परा हमारे जीवन में बनी रहे।

महासम्मेलन के मुख्य पाण्डाल में होने वाले विभिन्न सम्मेलन सत्र

शुक्रवार : 31 अक्तूबर

प्रथम सत्र
कार्यक्रम परिचय सत्र
प्रात: 11:00 से 1:00 बजे

द्वितीय सत्र
अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन उद्घाटन सत्र
दोपहर : 1:00 बजे से 3:00 बजे
मुख्य अतिथि
माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी
प्रधानमन्त्री, भारत

विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुति
समय : 3:00 से 3:30 बजे

तृतीय सत्र :
सत्यार्थ प्रकाश एवं वैदिक साहित्य सम्मेलन
सत्यार्थ प्रकाश और वैदिक साहित्य के प्रकाशन के विभिन्न पहलुओं पर विशष चर्चा (यह वर्ष सत्यार्थ प्रकाश लेखन का 150वां वर्ष भी है)
सायं 3:30 से 5:00 बजे

चतुर्थ सत्र :
सेवा कार्य एवं अंधविश्वास निर्मूलन सम्मेलन
आर्यसमाज के सेवा कार्यों का इतिहास एवं वर्तमान में सेवा कार्यां की प्रासंगिकता और आवश्यकता पर विशेष चर्चा
सायं 5:30 से 7:00 बजे

संगीत/सांस्कृतिक प्रस्तुति
सायं 7:00 से 8:00 बजे

छठा सत्र :
आर्यसमाज की युवा शक्ति – आर्य वीर दल सम्मेलन
रात्रि 8:30 से 10:150 बजे

सातवां सत्र : भजनोपदेशक सत्र
रात्रि 10:15 से 12:00 बजे

शनिवार : 1 नवम्बर

ध्यान, ईश्वर भक्ति भजन एवं संकल्प
प्रात: 8:30 से 9:00 बजे

प्रथम सत्र
आर्य विरक्त-संन्यासी आशीर्वाद
प्रात: 9:00 से 9:45 बजे

द्वितीय सत्र
सतत क्रियाशील आर्यसमाज
प्रात: 9:45 से 10:15 बजे

तृतीय सत्र
राष्ट्र की चुनौतियों का चिन्तन
दोपहर 10:15 से 12:45 बजे

संगीत/सांस्कृतिक प्रस्तुति
दोपहर 12:45 से 1:15 बजे

चतुर्थ सत्र
वेद सम्मेलन
सायं 1:15 से 3:15 बजे

संगीत/सांस्कृतिक प्रस्तुति
सायं 3:15 से 3:35 बजे

पांचवा सत्र
सनातन संस्कृति रक्षक आर्यसमाज
गुरुकुलीय एवं आर्यसमाज के शिक्षण संस्थानों का योगदान
सायं 3:35 से 5:30 बजे

संगीत/सांस्कृतिक प्रस्तुति
सायं 5:30 से 6:00 बजे

छठा सत्र
आर्य महिला सम्मेलन
सायं 6:00 से 8:00 बजे

सातवां सत्र
युवा चिन्तन एवं समाज का बदलता चरित्र
रात्रि 8:30 से 10:00 बजे

आठवां सत्र
भजन संध्या/कवि सम्मेलन :
रात्रि 10:00 से 1200 बजे

रविवार : 2 नवम्बर

ध्यान, ईश्वर भक्ति भजन एवं संकल्प
प्रात: 8:30 से 8:50 बजे

प्रथम सत्र
गुरुकुल आचार्य एवं पुरोहित आशीर्वाद सत्र
प्रात: 9:00 से 9:45 बजे

संगीत/सांस्कृतिक प्रस्तुति
प्रात: 9:45 से 10:00 बजे

द्वितीय सत्र
आर्यसमाज संगठन सत्र
दोपहर 10:00 से 12:00 बजे

संगीत/सांस्कृतिक प्रस्तुति
दोपहर 12:00 से 12:30 बजे

तृतीय सत्र
वैश्विक चिन्तन एवं आर्यसमाज
सायं 12:30 से 2:30 बजे

संगीत/सांस्कृतिक प्रस्तुति
सायं 2:30 से 3:30 बजे

चतुर्थ सत्र
शुद्धि एवं सम्भाव सम्मेलन
सायं 3:30 से 4:30 बजे

संगीत/सांस्कृतिक प्रस्तुति
सायं 4:30 से 5:00 बजे

पांचवा सत्र
महासम्मेलन समापन – संकल्प सत्र
आर्यसमाज की अनन्त यात्रा
सायं 5:00 से 7:30 बजे

छठा सत्र
भजन संध्या/कवि सम्मेलन :
रात्रि 8:00 से 1100 बजे

विशेष नोट – विभिन्न सम्मेलनों, सत्रों, कार्यक्रमों में समय एवं परिस्थितियों के अनुसार परिवर्तन सम्भव है। – सयोंजक, महासम्मेलन

विभिन्न सभागारों में होने वाले दैनिक कार्यक्रम/सत्र/आयोजन/गोष्ठियां एवं प्रतियोगिताएं

स्वामी श्रद्धानन्द सभागार (हॉल नं. 2)

30 अक्तूबर, 2025

अन्तर्राष्ट्रीय वैदिक संगोष्ठियां :
प्रस्ताव एवं चिन्तन सत्र
आर्यसमाज के विस्तारित संगठन के 150 वर्ष की यात्रा पर चिन्तन
भजन : प्रात: 9:30 बजे
पूरे दिन विभिन्न सत्रों का संचालन
प्रात: 10 बजे से रात्रि 11 बजे तक
शयन एवं रात्रिमन्त्र पाठ : रात्रि 11 बजे

31 अक्तूबर, 2025

प्रथम सत्र
सम्मान समारोह एवं संगोष्ठी
प्रात: 10:30 से 12:00 बजे
द्वितीय सत्र : दोपहर 1:00 से 4:00 बजे
माननीय प्रधानमन्त्री जी द्वारा
मुख्य पण्डाल में आर्य महासम्मेलन का
उद्घाटन – लाइव प्रसारण
तृतीय सत्र
सार्वदेशिक आर्य वीर दल संगोष्ठी
रात्रि सत्र : सायं 6:00 से 8:30 बजे

1-2 नवम्बर 22025

आर्यसमाज के 150वर्षों के इतिहास को जानें सच्ची घटनाओं के मंचन से
भजन : प्रात: 9:30 बजे
दीप प्रज्ज्वलन : प्रात: 10:00 बजे
प्रात: 10:30 से मंचन आरम्भ होंगे और रात्रि 7:00 बजे तक निरन्तर चलेंगे।

पण्डित लेखराम सभागार (हॉल नं. 3)

30 अक्तूबर, 2025

सैद्धान्तिक एवं विद्वत् सत्र
आर्यसमाज के सैद्धान्तिक विषयों पर वरिष्ठ वैदिक विद्वानों के सान्निध्य में विशेष चिन्तन एवं मनन सत्र
भजन : प्रात: 9:30 बजे
पूरे दिन विभिन्न सत्रों का संचालन प्रात: 10 बजे से रात्रि 11 बजे तक
शयन एवं रात्रिमन्त्र पाठ : रात्रि 11 बजे

31 अक्तूबर, 2025

प्रथम सत्र
अन्तर्राष्ट्रीय वैदिक संगोष्ठी
प्रात: 9:00 से 11:00 बजे
द्वितीय सत्र : प्रात: 11:00 से 1:00 बजे
तृतीय सत्र : दोपहर 1:00 से 4:00 बजे
माननीय प्रधानमन्त्री जी द्वारा
मुख्य पण्डाल में आर्य महासम्मेलन का
उद्घाटन – लाइव प्रसारण
चतुर्थ सत्र : सायं 5:30 से 7:30 बजे
पांचवा सत्र : रात्रि 7:30 से 9:30 बजे

1 नवम्बर 2025

भजन : प्रात: 9:30 बजे
अन्तर्राष्ट्रीय वैदिक संगोष्ठी
पूरे दिन विभिन्न सत्रों का संचालन प्रात: 10 बजे से रात्रि 11 बजे तक
शयन एवं रात्रिमन्त्र पाठ : रात्रि 11 बजे

भाई परमानन्द सभागार (हॉल नं. 4)

30 अक्तूबर, 2025

वैश्विक आर्यसमाज चिन्तन सत्र
विश्वभर से पधारे आर्य समाज परिवार के सदस्यों के सत्र
भजन : प्रात: 9:30 बजे
पूरे दिन विभिन्न सत्रों का संचालन प्रात: 10 बजे से रात्रि 11 बजे तक
शयन एवं रात्रिमन्त्र पाठ : रात्रि 11 बजे

31 अक्तूबर, 2025

प्रथम सत्र
सम्मान समारोह एवं संगोष्ठी
प्रात: 9:30 से 12:30 बजे
द्वितीय सत्र : दोपहर 1:00 से 400 बजे
माननीय प्रधानमन्त्री जी द्वारा
मुख्य पण्डाल में आर्य महासम्मेलन का
उद्घाटन – लाइव प्रसारण
तृतीय सत्र :
सायं 5:30 से 7:30 बजे
चतुर्थ सत्र : आर्य पुरोहित संगोष्ठी
रात्रि 7:30 से 9:30 बजे

1 नवम्बर, 2025

भारत एवं विश्व की विभिन्न भाषाओं की वैदिक संगोष्ठी
पूरे दिन विभिन्न भाषाओं – मराठी, गुजराती, संस्कृत, सिंधी, भोजपुरी, तेलगू, तमिल, कन्नड, मलयालम, पंजाबी, असमी, बंगाली, नेपाली, उड़ीया, हरियाणवी, स्पेनिश, डच, फ्रैंच, क्रिओल, बर्मी, उर्दू, सूरीनामी भाषा के सत्रों का संचालन
प्रात: 10 बजे से रात्रि 11 बजे तक
शयन एवं रात्रिमन्त्र पाठ : रात्रि 11 बजे

2 नवम्बर, 2025

युवा संगोष्ठियां – युवाओं से सम्बन्धित विषयों पर महत्वपूर्ण चर्चा
भजन : प्रात: 9:30 बजे
पूरे दिन विभिन्न सत्रों का संचालन प्रात: 10 बजे से रात्रि 8 बजे तक

पण्डित रामचन्द्र देहलवी सभागार (हॉल नं. 7)

30 अक्तूबर, 2025

भजन : प्रात: 9:30 बजे
पूरे दिन विभिन्न सत्रों का संचालन प्रात: 10 बजे से रात्रि 11 बजे तक
शयन एवं रात्रिमन्त्र पाठ : रात्रि 11 बजे

31 अक्तूबर, 2025

प्रथम सत्र
अन्तर्राष्ट्रीय युवा प्रतिनिधि एवं महिला संगोष्ठी
प्रात: 9:30 से 12:00 बजे
द्वितीय सत्र : दोपहर 1:00 से 4:00 बजे
माननीय प्रधानमन्त्री जी द्वारा
मुख्य पण्डाल में आर्य महासम्मेलन का
उद्घाटन – लाइव प्रसारण
तृतीय सत्र : युवा संगोष्ठी
सायं 5:30 से 7:30 बजे
चतुर्थ सत्र : रात्रि 7:30 से 9:30 बजे

1 नवम्बर 2025

पूर्ण दिवसीय युवा संगोष्ठियां
भजन : प्रात: 9:30 बजे
पूरे दिन विभिन्न सत्रों का संचालन प्रात: 10 बजे से रात्रि 11 बजे तक
शयन एवं रात्रिमन्त्र पाठ : रात्रि 11 बजे

पण्डित रामप्रसाद बिस्मिल सभागार (हॉल नं. 6)

30 अक्तूबर, 2025

युवा संगोष्ठियां – युवाओं से सम्बन्धित विषयों पर महत्वपूर्ण चर्चा
भजन : प्रात: 9:30 बजे
पूरे दिन विभिन्न सत्रों का संचालन प्रात: 10 बजे से रात्रि 11 बजे तक
शयन एवं रात्रिमन्त्र पाठ : रात्रि 11 बजे

31 अक्तूबर, 2025

सम्मान समारोह एवं संगोष्ठी
प्रथम सत्र : प्रात: 9:30 से 12:30 बजे
द्वितीय सत्र : दोपहर 1:00 से 400 बजे
माननीय प्रधानमन्त्री जी द्वारा
मुख्य पण्डाल में आर्य महासम्मेलन का
उद्घाटन – लाइव प्रसारण
तृतीय सत्र :
सायं 5:30 से 7:30 बजे
चतुर्थ सत्र : आर्य पुरोहित संगोष्ठी
रात्रि 7:30 से 9:30 बजे

1 नवम्बर, 2025

भारत एवं विश्व की विभिन्न भाषाओं की वैदिक संगोष्ठी
पूरे दिन विभिन्न भाषाओं – मराठी, गुजराती, संस्कृत, सिंधी, भोजपुरी, तेलगू, तमिल, कन्नड, मलयालम, पंजाबी, असमी, बंगाली, नेपाली, उड़ीया, हरियाणवी, स्पेनिश, डच, फ्रैंच, क्रिओल, बर्मी, उर्दू, सूरीनामी भाषा के सत्रों का संचालन
प्रात: 10 बजे से रात्रि 11 बजे तक
शयन एवं रात्रिमन्त्र पाठ : रात्रि 11 बजे

2 नवम्बर, 2025

युवा संगोष्ठियां – युवाओं से सम्बन्धित विषयों पर महत्वपूर्ण चर्चा
भजन : प्रात: 9:30 बजे
पूरे दिन विभिन्न सत्रों का संचालन प्रात: 10 बजे से रात्रि 8 बजे तक

पण्डित रामचन्द्र देहलवी सभागार (हॉल नं. 7)

30 अक्तूबर, 2025

भजन : प्रात: 9:30 बजे
आर्य प्रगति स्कॉलरशिप वितरण समारोह
समय : 10:00 से 1:00 बजे
शंका समाधान सत्र
विभिन्न विषयों पर योग्य विद्वानों द्वारा प्रश्नोत्तर
दोहपर : 1:00 बजे से रात्रि 8 बजे तक

31 अक्तूबर, 2025

शंका समाधान सत्र
प्रथम सत्र : प्रात: 9:30 से 12:00 बजे
द्वितीय सत्र : दोपहर 1:00 से 4:00 बजे
माननीय प्रधानमन्त्री जी द्वारा
मुख्य पण्डाल में आर्य महासम्मेलन का
उद्घाटन – लाइव प्रसारण
शंका समाधान सत्र
सायं 5:30 बजे से रात्रि 8 बजे तक

1 नवम्बर, 2025

भजन : प्रात: 9:30 बजे
विभिन्न विषयों पर योग्य विद्वानों द्वारा प्रश्नोत्तर
शंका समाधान सत्र
प्रात: 10:00 बजे से रात्रि 8 बजे तक
शयन एवं रात्रिमन्त्र पाठ : रात्रि 11 बजे

2 नवम्बर, 2025

भजन : प्रात: 9:30 बजे
शंका समाधान सत्र
विभिन्न विषयों पर योग्य विद्वानों द्वारा प्रश्नोत्तर
प्रात: 10:00 बजे से सायं 5 बजे तक

पं० गंगा प्रसाद उपाध्याय सभागार (हॉल नं. 8)

30 अक्तूबर, 2025

भजन : प्रात: 9:30 बजे
आर्य वनवासी कार्यकर्ता संगम
प्रात: 10:00 से 12:30 बजे
अन्तर्राष्ट्रीय वेद संगोष्ठी
दोपहर: 1:00 से 6:00 बजे

31 अक्तूबर, 2025

भजन : प्रात: 9:30 बजे
प्रथम सत्र :
शुद्धि कार्यकर्ता संगोष्ठी
प्रात: 9:30 से 11:30 बजे
द्वितीय सत्र : दोपहर 1:00 से 4:00 बजे
माननीय प्रधानमन्त्री जी द्वारा
मुख्य पण्डाल में आर्य महासम्मेलन का
उद्घाटन – लाइव प्रसारण
तृतीय सत्र : सायं 5:30 से 7:30 बजे
चतुर्थ सत्र : आर्य वीरांगना संगाष्ठी
रात्रि 7:30 से 9:30 बजे

1 नवम्बर, 2025 :

विभिन्न विद्यालयी प्रतियोगिताएं
भजन : प्रात: 9:30 बजे
पूरे दिन प्रात: 10 बजे से सायंकाल तक विभिन्न विषयों पर विभिन्न विद्यालयी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।
शयन एवं रात्रिमन्त्र पाठ : रात्रि 11 बजे

2 नवम्बर, 2025

विद्यालयी प्रतियोगिताएं
भजन : प्रात: 9:30 बजे
पूरे दिन प्रात: 10 बजे से सायंकाल तक विभिन्न विषयों पर विभिन्न विद्यालयी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।
आर्य परिवार वैवाहिक परिचय सम्मेलन
दोपहर 1:00 से 4:00 बजे

महात्मा हंसराज सभागार (हॉल नं. 9)

30 अक्तूबर, 2025

आर्यसमाज से सम्बन्धित आर्ष गुरुकुलों के बालकों की विभिन्न प्रतियोगिताएं
भजन : प्रात: 9:30 बजे
पूरे दिन प्रात: 10 बजे से सायंकाल तक विभिन्न विषयों पर गुरुकुलों की विभिन्न प्रयोगिताओं के आयोजन होंगे।

31 अक्तूबर, 2025

भजन : प्रात: 9:30 बजे
आर्यसमाज से सम्बन्धित आर्ष गुरुकुलों के बालकों की विभिन्न प्रतियोगिताएं
प्रात 10 से 1 बजे तक
द्वितीय सत्र : दोपहर 1:00 से 4:00 बजे
माननीय प्रधानमन्त्री जी द्वारा
मुख्य पण्डाल में आर्य महासम्मेलन का
उद्घाटन – लाइव प्रसारण
उद्घाटन समारोह के उपरान्त पुन: गुरुकुलों की विभिन्न प्रयोगिताओं के आयोजन होंगे।

1 नवम्बर, 2025

आर्यसमाज से सम्बन्धित आर्ष गुरुकुलों के बालकों की विभिन्न प्रतियोगिताएं
भजन : प्रात: 9:30 बजे
पूरे दिन प्रात: 10 बजे से सायंकाल तक विभिन्न विषयों पर गुरुकुलों की विभिन्न प्रयोगिताओं के आयोजन होंगे।

2 नवम्बर, 2025 :

आर्यसमाज से सम्बन्धित आर्ष गुरुकुलों के बालकों की विभिन्न प्रतियोगिताएं
भजन : प्रात: 9:30 बजे
पूरे दिन प्रात: 10 बजे से सायंकाल तक विभिन्न विषयों पर गुरुकुलों की विभिन्न प्रयोगिताओं के आयोजन होंगे।

माता विशुद्धा सभागार (हॉल नं. 10)

30 अक्तूबर, 2025

विचार टी.वी. चलचित्र प्रसारण
पूरे दिन निशिचित कार्यक्रमानुसार विभिन्न चलचित्रों का प्रसारण होगा

31 अक्तूबर, 2025

विचार टी.वी. चलचित्र प्रसारण
पूरे दिन निशिचित कार्यक्रमानुसार विभिन्न चलचित्रों का प्रसारण होगा
दोपहर 1:00 से 4:00 बजे तक
माननीय प्रधानमन्त्री जी द्वारा
मुख्य पण्डाल में आर्य महासम्मेलन का
उद्घाटन – लाइव प्रसारण
उद्घाटन समारोह के उपरान्त पुन: विभिन्न चलचित्रों प्रसारण होगा।

1 -2 नवम्बर, 2025

विचार टी.वी. चलचित्र प्रसारण
पूरे दिन निशिचित कार्यक्रमानुसार विभिन्न चलचित्रों का प्रसारण होगा

बालक मूल शंकर सभागार बाल मंडपम् (हॉल नं. 11)

30 अक्तूबर से 2 नवम्बर, 2025

प्रतिदिन प्रात: 10 से सायंकाल तक 3 से 10 वर्ष के बालकों के लिए विभिन्न गतिविधियां का संचालन किया जाएगा।

पृष्ठ 2 का शेष

सत्य के प्रकाशक महर्षि तुम्हें शत-शत नमन.....

कि जितने भी मतपंथ देश और दुनिया में फैलें हैं वे सब वेद ज्ञान के सत्य सिद्धांतों के लुप्त होने के कारण ही विस्तार को प्राप्त हुए हैं इसीलिए ऋषिवर ने वेदों के पुनरुद्धार हेतु वैदिक धर्म की पुनर्स्थापना के लिए आर्य समाज की स्थापना की। आज हम महर्षि दयानंद के 200वें जयंती और आर्य समाज के 150वें स्थापना वर्ष के दो वर्षीय आयोजनों के समापन समारोह के रूप में अंतर्राष्ट्रीय आर्य महा सम्मेलन 2025 के भव्य, विशाल, विराट आयोजन में सम्मिलित होने का सौभाग्य प्राप्त कर रहे हैं। यह अवसर अत्यंत महत्वपूर्ण है, हमें महर्षि दयानन्द सरस्वती जी और उनके शिष्य महापुरुषों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना है, महर्षि के अधूरे सपनों को पूरा करना है, वेद-धर्म-संस्कृति-संकस्कारों को जन-जन तक पहुंचाना है, ओम् ध्वज को संपूर्ण विश्व में फहराना है। अत: आईए, महर्षि के 142 वें निर्वाण दिवस पर संकल्प लेकर उन्हें शत-शत नमन करें। अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 2025 का न केवल अवलोकन करें, अपितु तन-मन-धन से भी सहयोगी बनें।

वैदिक सिद्धांतों, मान्यताओं और श्रेष्ठ परंपराओं को स्थापति करने के लिए ऋषिवर ने विधर्मियों के साथ अनेक शास्त्रार्थो में विजय प्राप्त करते हुए मानव मात्र को वैदिक धर्म के ध्वज तले आने का निमंत्रण दिया। उस समय यह कार्य पहाड़ को समुद्र तैराने के समान था या ऐसा कहें कि तलवार की धार पर चलना था। पूरा जमाना ऋषिवर का विरोधी बन गया। समूचे विपरीत वातावरण को अनुकूल बनाकर ऋषिवर ने मानवता पर उपकार किया। काशी में मुस्लिम मत के खण्डन से क्रोधित होकर वहां के कुछ मुसलमान बाहुबलियों ने स्वामी जी को समाप्त करने का षड़्यन्त्र किया। एक दिन स्वामी दयानन्द गंगा के किनारे ध्यानस्थ पद्मासन पर बैठे थे। थोडी देर में उधर से कुछ मुसलमान गुंडे स्वामी जी के पास आये और उनमें से दो गुण्डों ने स्वामी जी के कंधों को पकड़कर गंगा में डुबाने के लिए उठाकर ले जाने लगे। स्वामी जी तो सामर्थ्यवान बली थे, उन्होंने अपने बाहुओं से दोनों यवनों को ऐसे भींचना शुरू किया कि उनका दम घुटने लगा, वे या अल्लाह या अल्लाह कहकर चिल्लाने लगे। ऋषिवर दोनों को लेकर गंगा के पानी में कूद पड़े और नीचे तक डुबाते चले गये, स्वामी जी कुंभक प्राणयाम के द्वारा पांच मिनट तक भी जल में रह सकते थे। जब गुण्डे छटपटाने लगे तो उन्हें दया आ गयी और वे उन्हें पानी की सतह पर ले आये और कहने लगे हमें संन्यासी समझकर डुबोने आ गये, हम छात्रबल से दुष्टों को सबक सिखाना जानते हैं। यह कहकर आगे से इस प्रकार की दुष्टता न करने की हिदायत देकर उन्हें छोड़ दिया। स्वामी जी ब्रह्मतेज और छात्रबल तेज के द्वारा प्रचार के रणक्षेत्र में आये थे।

एक अकेले महर्षि दयानंद सरस्वती जी ने वैदिक ज्ञान की अनुपम किरणों से लाखों, करोड़ों दीपक प्रज्ज्वलित कर दिए, लेकिन हम करोड़ों दीपक मिलकर भी, महर्षि दयानंद के समान एक ज्ञान का सूर्य निर्मित नहीं कर सकते।

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कार्तिक अमावस्या पर देश और दुनिया में दीपावली होगी, घर-घर दीए जलेंगे, रोशनी होगी, मिठाइयां बटेंगी और उपहार भी, बम-पटाखे और फुलझडियां भी चलेंगी, किंतु क्या भय-भ्रम के अंधेरों का तिरोहण अब तक संभव हुआ है या इस बार होगा ?

बाहर के अंधेरे से अंदर का अंधेरा खतरनाक होता है, बाहर की कृत्रिमता के प्रकाश से भीतर की चांदनी नहीं होती, इसलिए बार-बार दीपावाली आती है, फिर भी अंधेरा नहीं हटता। ऋषिवर का निर्वाण हुए 141 वर्ष हो चुके हैं, उन्होंने सदैव वैदिक ज्ञान के उजाले पर जोर दिया, भय-भ्रम-पाखंड, अंधविश्वास कुरितियों से समाज को बचाने का महान कार्य किया, उन्होंने मनुष्य को मनुष्य बनने की प्रेरणा दी, यूं तो ऋषि जी से पूर्व और उनके बाद भी अनेकों महापुरुषों ने भारत तथा विश्व में जन्म लिया, और यह क्रम अनवरत जारी है, लेकिन मनुष्य को पूर्ण मनुष्य बनकर जीना सिखाने वाले, व्यक्ति, परिवार, समाज, देश दुनिया को श्रेष्ठ बनने-बनाने के लिए **" कृण्वन्तो विश्वमार्यम"** का उद्घोष करने वाले ऋषि दयानंद अनोखे, अनूठे और निराले थे। आज समाज में भ्रम का ज्ञान फैलाने वालों की बहुतायत है. अंधेरा फैलाने वालों का तांता है, लेकिन सत्य का सवेरा तभी आएगा, मनुष्य के भीतर प्रकाश तभी जगमगाएगा, जब मानवजाति ऋषि दयानंद के बताए वेद मार्ग पर चलेगी। इसलिए बाहर की दीवाली से बेहतर है कि हम वेदज्ञान से अपने अंत:करण को प्रकाशित करें।

-संपादक

DAYANANDA-AS A SCHOLAR

Dayananda as a scholar was greater than the greatest of the all scholars born on the face of the globe, during the last five thousand years. He possessed all the knowledge of all the branches of the Vedas and the Vedic literature. He was a mighty good all-rounder of social, spiritual, religious, political and yogic knowledge. There was no branch in the vast Vedic literature, which he left untouched. He studied more than three thousand Sanskrit books right from Brahma down to Jaimini i.e. from Rigveda upto Purva-MImansa. This statement was made by Dayananda himself in his small book 'Bhranti Nivarana'. When I read this, at once the words slipped out of my heart:

What a volcanic personality he was!

What a wonderful figure he was!

His tremendous study was not one sided. His study shines out without a shadow of doubt, as comparative and critical, logical and scientific. As a thinker, he classified the truth in three parts: (i) The partial truth (ii) The half truth and (iii) The whole truth.

He neither accepted the partial truth nor the half truth. He always accepted the whole truth which he found in the glorious Vedas. He loudly lamented the luck of Shankara, Ramanuja and Vallabha, as they had no insight in the four Vedas. They mistook Upanishads as the Vedas. In the literature compiled by them, they have given Upanishadic quotations in place of Vedic quotations, where ever it was necessary for them to do. This proves that these scholars were unconscious of the Vedas. Their knowledge was limited up to the Gita Upanishads and Vedanta-Darshana.

It was only Dayananda who perceived this blunder committed by the above scholars and defied them. Dayananda strongly and ruthlessly criticized the dogma of 'pure monism' or 'Adwaita-vada' preached by Shankaracharya and proved very well indeed the futileness of it. Dayananda truthfully criticized almost all "isms" that were against the Vedas, because he, after many years of deep-concentration for hours together daily, came to the rational conclusion that the Vedas are not at all the creation of any human mind; Vedas are not at all the reflection of any human brain; but they are revelation by Almighty God - The Supreme Self. And so, Dayananda proclaimed from the house-top that no sectarian scripture can claim itself to be the revelation except the Vedas. The Vedas can alone enjoy that supreme position.

Now, here arises a question as to why the Vedas are revelation and no other sectarian scripture of the world?

Here, too, Dayananda's view is quite clear and logical. Dayananda says: The Vedas are an encyclopedia of all knowledge. The root principles of all the sciences or of all the branches of knowledge are embedded in the Vedas alone. There are different kinds of learnings just as science of mathematics, science of astronomy, science of cosmology, science of geology, science of medicine, science of anatomy, science of music, science of zoology, science of botany, etc.

Can you show the above learnings in the Ramayana, Mahabharata or Bhagawata? Can you show the above learnings in the Purans, Quran or Bible? The answer remains simply in negative.

This is the reason why Dayananda, with all the emphasis at his command, declared the Vedas as the only revelation and no other scripture of the world. The fact that all the learnings are found in the Vedas, is also proved by many unprejudiced modern scholars and scientists. India - 'the land of the Vedas' is therefore recognized as the cradle of religion and science'. When, once, it is proved that the Vedas are revelation, then, it is also automatically proved that the Vedic religion is the universal religion.

And, when Vedic religion is the universal religion, then anything and everything against the Vedas, is wrong.

This was the grip of Dayananda.
This was the hold of Dayananda.
This was the tone of Dayananda.

He, further, asserts:

Any man, from any part of the world and however great he may be, is apt to be imperfect because the very nature of the human soul is knowledge-limited.

With courtesy by the biography of "Maharshi Dayanand" re-published on the occasion of 200th birth anniversary and written by Pandit Ved Mitra Thakor Ji. To buy online login WWW. vedicprakshan.com ir contact - 9540040339

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन - 2025 दिल्ली के अवसर पर

वानप्रस्थ और संन्यास-दीक्षा समारोह

आर्यसमाज सार्द्ध शताब्दी अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन, दिल्ली - 2025 के अवसर पर गत सम्मेलनों की भांति वानप्रस्थ और संन्यास ग्रहण करने के लिए वानप्रस्थ और संन्यास की दीक्षा का भव्य कार्यक्रम आयोजित होगा, जो आर्य महानुभाव इस ऐतिहासिक अवसर पर आर्यजगत् के मूर्धन्य संन्यासी, वैदिक विद्वानों से वानप्रस्थ अथवा संन्यास की दीक्षा लेना चाहते हों, इस कार्यक्रम में सादर आमन्त्रित हैं।

दीक्षा के इच्छुक महानुभाव कृपया अपना विवरण 'संयोजक, यज्ञ समिति' के नाम सम्मेलन कार्यालय - 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-1 के पते पर भेजें, अथवा **श्री सत्यानन्द आर्य जी (9313923155)** को नोट कराएं, ताकि उनके संस्कार की समस्त व्यवस्था बनाई जा सके। महासम्मेलन आयोजन समिति इस कार्यक्रम को विशेष प्रकार से आयोजित करेगी। - **ज्ञान ज्योति महोत्सव आयोजन समिति**

आवास सम्बंधी जानकारी

- पंजीकरण के समय अपनी इच्छानुसार नि:शुल्क अथवा सशुल्क आवास का विकल्प चुनें।
- महासम्मेलन के समय दिल्ली में (केवल रात्रि में) हल्की ठण्ड हो सकती है। अत: अपने साथ मोटी चादर रखें।
- सुविधापूर्वक महासम्मेलन का आनंद लेने के लिए अपने साथ न्यूनतम सामान लायें।
- कोई भी कीमती सामान जैसे सोने की चेन, कड़ा, अत्यधिक धनराशि आदि नहीं लायें।

ज्यादातर स्टॉलों पर Online Payment की सुविधा उपलब्ध होगी।

नि:शुल्क आवास

नि:शुल्क आवास चुनने वाले महानुभावों हेतु महासम्मेलन स्थल एवं निकटवर्ती आर्य समाज मंदिरों, विद्यालयों, धर्मशालाओं आदि में व्यवस्था की जा रही है। इसके अंतर्गत आवास संबंधी आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँगी। नि:शुल्क आवास का आवंटन सम्मेलन स्थल पर किया जायेगा।

सशुल्क आवास

सशुल्क आवास चुनने वाले महानुभावों हेतु निकटवर्ती होटलों आदि में व्यवस्था की जा रही है। महासम्मेलन स्थल पर रुकने के इच्छुक महानुभावों के लिए भी विशेष सशुल्क व्यवस्था की जा रही है।

होटल में AC रूम

- डबल बेड
- अटैच्ड बाथरूम

2 व्यक्तियों के लिए ₹ 1500 प्रतिदिन से शुरू

होटल आवास से सम्मेलन स्थल पर आने-जाने की व्यवस्था स्वयं करनी होगी।

स्थान सीमित हैं शीघ्र बुकिंग करायें।

सम्मेलन स्थल पर सशुल्क बेड

- 1 टेंट में 100 बेड
- फोल्डिंग पलंग
- गद्दा, कम्बल, तकिया
- कॉमन शौचालय

प्रति व्यक्ति ₹ 1000 5 दिनों के लिए

सशुल्क आवास बुक करने के लिए

वेबसाइट पर **My Account** में जाकर **Book Paid Accommodation** पर क्लिक करें। उन सदस्यों को चुनें जिनके लिए आवास बुक करना है। अगले पेज पर चेकइन और चेकआउट की तिथियाँ डालें। इच्छित आवास का विकल्प चुनें और ऑनलाइन भुगतान करें। 20 अक्टूबर 2025 के लगभग सशुल्क आवास का आवंटन किया जायेगा और इसकी जानकारी भेज दी जाएगी।

अपनी आर्य समाज मंदिर अथवा प्रतिष्ठान के बाहर एवं अपने क्षेत्र के प्रमुख स्थानों पर महासम्मेलन के बैनर/होर्डिंग लगवाएं।

बैनर/होर्डिंग पर अपनी संस्था का नाम अथवा किसी व्यक्ति की फोटो लगाने का स्थान भी है।

बैनर/होर्डिंग का डिजाइन डाउनलोड करने के लिए निम्न लिंक पर जाएं अथवा QR कोड स्कैन करें

tinyurl.com/iams25banner

महासम्मेलन में पुस्तक प्रेमियों के लिए विशेष सुविधायें

इस बार महासम्मेलन में अब तक का सबसे बड़ा पुस्तक बाजार स्थापित किया जा रहा है, जिसमें वैदिक साहित्य और आयुर्वेदिक औषधियों के 200 से अधिक स्टाल होंगे। यह पुस्तक प्रेमियों के लिए अपने ज्ञान-संग्रह को समृद्ध करने का एक अद्भुत अवसर होगा।

अक्सर देखा गया है कि पुस्तकें खरीदने के बाद उनके भार के कारण विशाल परिसर में घूमना असुविधाजनक हो जाता है, जिससे कई लोग अपनी इच्छानुसार साहित्य नहीं खरीद पाते।

इसी को ध्यान में रखते हुए, इस बार पुस्तक बाजार में विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं ताकि आप अपने खरीदे सामान को सुरक्षित रखवा सकें और भारमुक्त होकर परिसर में भ्रमण कर सकें और महासम्मेलन का पूरा आनंद उठा सकें।

पुस्तक बाजार क्लॉक रूम

यहाँ पर आप अपना क्रय किया हुआ सामान रखवा सकते हैं और बाद में वहीं से अपना सामान ले सकते हैं। यह सुविधा पूर्णत: नि:शुल्क है।

पार्किंग में सामान भिजवाएं

इसके अंतर्गत आप अपना क्रय किया हुआ सामान पुस्तक बाजार से महासम्मेलन पार्किंग में भिजवा सकते हैं। यह सुविधा सशुल्क है।

पोर्टर सेवा

इसके अंतर्गत आप अपना क्रय किया हुआ सामान पुस्तक बाजार से दिल्ली में सीधे अपने होटल या घर तक भिजवा सकते हैं। यह सुविधा सशुल्क है।

कोरियर सेवा

इसके अंतर्गत आप अपना क्रय किया हुआ सामान पुस्तक बाजार से देश भर में किसी भी स्थान पर भिजवा सकते हैं। यह सुविधा सशुल्क है।

विभिन्न भाषाओं में वैदिक गोष्ठियां

1 नवम्बर, 2025 स्थान: हॉल नं- 6

प्रथम सत्र

प्रात: 10:00 बजे से दोपहर 12:30 बजे — मराठी, गुजराती, संस्कृत, सिंधी, भोजपुरी

द्वितीय सत्र

दोपहर 1:00 बजे से सायं 3:00 बजे — तेलुगु, तमिल, कन्नड, मलयालम, पंजाबी

तृतीय सत्र

सायं 3:30 बजे से सायं 5:30 बजे — असम, बंगाली, नेपाली, उड़िया, हरियाणवी

चतुर्थ सत्र

सायं 6:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे — स्पेनिश, डच, फ्रेंच, क्रिओल, बर्मी, उर्दू, सूरीनामी

भाग लेने के लिए सम्पर्क करें :- प्रो. सुधीर कुमार आर्य, 9650925030

ज्ञान ज्योति महोत्सव आयोजन समिति • सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा • दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा

◆ 15, हनुमान रोड, नई दिल्ली - 110001 ◆ संपर्क सूत्र - 93 1172 1172 ◆ ईमेल : aryasabha@yahoo.com

विज्ञापन

सुयोग्य आर्य वर चाहिए

जनकपुरी दिल्ली के प्रतिष्ठित आर्य परिवार (अग्रवाल) की सुयोग्य कन्या जन्म-मई 1996, कद 5 फुट 4 इंच, M.A., M.Ed., दिल्ली विश्वविद्यालय से PHD (अध्ययनरत), वार्षिक आय लगभग 5 लाख, गौर वर्ण, सरल स्वभाव, शुद्ध शाकाहारी, पेंटिंग कला में निपुण, स्वयं का पेंटिंग स्टूडियो, आत्मनिर्भर, स्वयं की कार, के लिए शुद्ध शाकाहारी, मद्यपान/धूम्रपान रहित, 10-15 लाख वर्षिक आय वाला, सुंदर, उच्च शिक्षित, केवल नौकरी वाला आर्य वर चाहिए, जो जनकपुरी दिल्ली में हमारे निवास के निकट रहने को इच्छुक हो।

इच्छुक आर्य परिवार सम्पर्क करें- **87440 64158**

⑧ साप्ताहिक **आर्य सन्देश** आर्य समाज 150

सोमवार 6 अक्तूबर, 2025 से रविवार 12 अक्तूबर, 2025

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001

दिल्ली पोस्टल रजि.नं. डी.एल.(एन.डी.)-11/6071/2024-25-2026

LPC, DRMS, दिल्ली-6 में पोस्ट करने की तिथि 9-10-11/10/2025 (वीर-शुक्र-शनिवार)

पूर्व भुगतान किए बिना भेजने का लाइसेन्स नं. यू. (सी.) 139/2024-25-26

आर.एन. नं. 32387/77 प्रकाशन तिथि: बुधवार 8 अक्तूबर, 2025

प्रतिष्ठा में,

गोविन्दराम हासानन्द प्रकाशन

की 100वीं स्थापना जयन्ती के उपलक्ष्य में

आकर्षक छूट

आर्य महासम्मेलन 2025 के केवल चार दिनों के दौरान निम्न साहित्य लगभग लागत मूल्य पर उपलब्ध होगा, इस अवसर का भरपूर लाभ उठाएँ और अपने घरेलू पुस्तकालय को समृद्ध बनाएँ।

आईए पुस्तक बाजार में हमारे स्टॉल पर!!!

गोविन्दराम हासानन्द स्थापना जयन्ती (1925-2025)

1. वेदों का बृहद शताब्दी संस्करण (4 भागों में)
2. स्वामी श्रद्धानन्द ग्रन्थावली (2 भागों में)
3. वेदों का छोटा संस्करण (8 भागों में)
4. छह दर्शनों का सैट : आ० उदयवीर शास्त्री
5. गंगा ज्ञान सागर (4 भागों में) : प्रा० राजेन्द्र जिज्ञासु
6. आर्यसमाज का इतिहास (3 भागों में)

विजयकुमार गोविन्दराम हासानन्द
4408, नई सड़क, दिल्ली-110006
दूरभाष : 8800854372, 011-45512973
Email: ajayarya16@gmail.com; Web: www.vedicbooks.com

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा
अमर शहीद स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान शताब्दी
वर्ष 2026 का कैलेण्डर प्रकाशित

मूल्य 1200/- रुपये सैंकड़ा

200 से अधिक प्रतियों के आर्डर देने पर नाम से प्रकाशित करने की सुविधा अतिरिक्त शुल्क (300/- सैंकड़ा) पर उपलब्ध है।

सम्पर्क करें-

व्यवस्थापक, प्रकाशन विभाग
दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा (पं.)
15, हनुमान रोड, नई दिल्ली-1
दूरभाष : 011-23360150
मो. 09540040339
ऑन लाइन खरीदें
www.vedicprakashan.com

ओ३म्

भारत में फैले सम्प्रदायों की निष्पक्ष एवं तार्किक समीक्षा के लिए
उत्तम कागज, मनमोहक जिल्द एवं सुन्दर आकर्षण मुद्रण
(द्वितीय संस्करण से मिलान कर शुद्ध प्रामाणिक संस्करण)

सत्य के प्रचारार्थ

सत्यार्थ प्रकाश

प्रचारार्थ मूल्य पर कोई कमीशन नहीं

कृपया एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें और महर्षि दयानन्द जी की अनुपम कृति सत्यार्थ प्रकाश के प्रचार प्रसार में सहभागी बनें..

आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट
427, मन्दिर वाली गली, नया बांस, दिल्ली-6
Ph : 011-43781191, 09650522778
E-Mail : aspt.india@gmail.com

JBM Group
Our milestones are touchstones

ENHANCING TECHNOLOGY
EMPOWERING PEOPLE
ENABLING INNOVATION

JBM Group stands committed towards creating value for all our stakeholders and consistently building sustainable business models via innovation and customer orientation programs, thereby creating stronger synergies for all our businesses.

Technology has been the bed rock and a key catalyst for our growth. Our persistence towards achieving excellence has transformed us and we have amalgamated our strengths and R&D acumen to make our products & services future-ready, through the power of People, Innovation and Technology.

JBM Group - Plot No.9, Institutional Area, Sector 44, Gurgaon – 122 002
91-124-4674500-550 | www.jbmgroup.com

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के लिए मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक श्री धर्मपाल आर्य द्वारा विद्या दर्शन ऑफसैट प्रिंटर्स, यूनिट नं.-21, प्रधान कॉम्प्लेक्स, मेन रोड मंडावली, दिल्ली-92 से मुद्रित एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान रोड, नई दिल्ली-1; फोन : 23360150; 23365959; E-mail : aryasabha@yahoo.com; Web : www.thearyasamaj.org से प्रकाशित

सम्पादक : धर्मपाल आर्य सह सम्पादक : विनय आर्य व्यवस्थापक : शिवकुमार मदान सह व्यवस्थापक : आर्य डॉ० ओमप्रकाश भटनागर, एस. पी. सिंह